

भारत में कुओं का गरिटा जलस्तर

चर्चा में क्यों?

पछिले वर्षों की तुलना में वर्तमान में भारत में भूमिगत जल के स्तर में नरिंतर गरिावट दर्रु की जा रही है । जल के अन्य स्रोतों की तुलना में देश में कुओं की स्थिति अधिक गंभीर है । वर्ष 2006-16 की तुलना में वर्ष 2017 में औसतन 61% कुओं के भूमिगत जलस्तर में गरिावट देखी गई । जल स्तर में परिवर्तन के संबंध में विभिन्न राज्यों का आँकड़ावार विवरण यहाँ प्रस्तुत किया गया है ।

वृद्धि और गरिावट

- अधिकांश कुओं के भूमिगत जल में 0-2 मीटर की वृद्धि अथवा गरिावट दर्रु की गई है ।
- तकरीबन 14,465 कुओं के संबंध में किये गए सर्वेक्षण से यह ज्ञात हुआ है कि करीबन 60.7% के जल स्तर में गरिावट आई है, जबकि मात्र 38.8% कुओं के जल स्तर में वृद्धि हुई है ।
- जल स्तर में गरिावट वाले कुओं के 7.1% में 4 मीटर से कम की गरिावट, 10.4% में 2-4 मीटर की गरिावट, जबकि 43.2% में 0-2 मीटर तक की गरिावट दर्रु की गई है ।
- वही दूसरी ओर जल स्तर में वृद्धि वाले कुओं में 3.2 फीसदी कुएँ ऐसे हैं, जिनमें 4 मीटर से कम की वृद्धि, 5.9% में 2-4 मीटर की वृद्धि तथा 29.7% में 0-2 मीटर की वृद्धि दर्रु की गई है ।

संकट ग्रस्त क्षेत्र

- भूमिगत जल के विषय में जानकारी प्राप्त करने के लिये 27 राज्यों में सर्वेक्षण किया गया ।
- इस सर्वेक्षण में पाया गया कि 19 राज्यों के 50% से अधिक कुओं के भूमिगत जल-स्तर में गरिावट आई है जबकि शेष राज्यों के 50% से अधिक कुओं के भूमिगत जल-स्तर में वृद्धि दर्रु की गई ।

जल-स्तर में वृद्धि वाले राज्य हैं - गोवा, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, बिहार तथा तेलंगाना ।

जल-स्तर में कमी वाले राज्य हैं - तमिलनाडु, पंजाब, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा केरल ।

संकट का प्रभाव

- भूमिगत जल-स्तर में वृद्धि अथवा गरिावट कई स्तरों (जैसे-0-2 मीटर, 2-4 मीटर और 4 मीटर से कम) पर हुई है ।
- वर्ष 2006-16 की तुलना में वर्ष 2017 में भूमिगत जल-स्तर में आई गरिावट व वृद्धि से संबंधित आँकड़े इस प्रकार हैं -
- तमिलनाडु के 87% कुओं के भूमिगत जल-स्तर में गरिावट आई है । यहाँ के 28.2% कुओं के जल स्तर में 4 मीटर से कम की गरिावट दर्रु की गई है । स्पष्ट रूप से देश के अन्य राज्यों की अपेक्षा तमिलनाडु की स्थिति अधिक गंभीर है ।
- तमिलनाडु, पंजाब और आंध्र प्रदेश में कुओं के जल स्तर में अन्य राज्यों की तुलना में अधिक गरिावट दर्रु की गई है ।
- गोवा, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में भूमिगत जल की स्थिति अपेक्षाकृत अच्छी है ।
- राजस्थान से प्राप्त आँकड़े मशरूति स्थिति को प्रदर्शित करते हैं । यहाँ के 15% कुओं के जल-स्तर में 4 मीटर से अधिक की गरिावट आई है जबकि 11% कुओं के जल स्तर में 4 मीटर से अधिक की वृद्धि दर्रु की गई है ।